

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2013

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-IV

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

- निम्न का उत्तर दीजिए :-
i) राहु दशा के सामान्य परिणाम क्या होंगे?
ii) निम्नलिखित कुण्डली का निरीक्षण करे व राहु/बुध/शनि दशा के परिणाम की विवेचना करें :-
लग्न-धनु 29:18, सूर्य-मिथुन 21:44, चन्द्रमा-कन्या 4:16, मंगल-वृष 29:02, बुध-मिथुन 3:24, बृहस्पति-कन्या 9:12, शुक्र-कर्क 15:47, शनि-कन्या 10:16, राहु-कर्क 8:11 (जुलाई 7, 1981, शाम 7:05, 85E20, 23N21-बिहार)
- ज्योतिषी के पास एक जातक ने प्रश्न किया कि यह समय उसके विवाह के लिए उपयुक्त होगा? जातक की दी हुई कुण्डली के आधार पर विवाह का उपयुक्त समय बताएं (प्रत्यंतर दशा तक देखें)
लग्न-3S17:43, सूर्य-3S5:17, चन्द्रमा-9S13:44, मंगल(व)-8S20:41, बुध(व)-3S7:37, गुरु(व)-10S29:00, शुक्र-4S18:0, शनि(व)-7S9:36, राहु-12S1:18, (जुलाई 22, 1986, सुबह 6:51, हैदराबाद, आंध्रप्रदेश)
- नीचे दी गई कुण्डली के आधार पर शुक्र महादशा (20 वर्ष) का क्या सामान्य फल होगा?
16.02.1984, सुबह 10:00 बजे, गया-पटना, जन्म दशा-बुध, लग्न-मेष 13°:03', सूर्य-कुंभ 3°:04', चन्द्रमा-कर्क 21°:03', मंगल-तुला 23°:11', बुध-मकर 17°:11', बृहस्पति-धनु 11°:52', शुक्र-मकर 2°:40', शनि-तुला 22°:42', राहु-वृष 18°:28', जातक की शुक्र दशा 15.07.2002 को आरम्भ हुई है।
- निम्न घटनाओं के घटित होने के समय का फलादेश कैसे करेंगे? (किन्हीं दो को करें)
i) पहली नौकरी ii) स्वयं का घर लेना iii) विवाह
- उत्तर दें :-
i) सूर्य की महादशा के सामान्य फल क्या होंगे?
ii) शुक्र महादशा में शनि अन्तर्दशा हो अथवा शनि महादशा में शुक्र अन्तर्दशा हो तब क्या परिणाम होंगे?

भाग-II (गोचर)

- निम्नलिखित के उत्तर दीजिये :
i) मूर्ति निर्णय क्या हैं? किसी ग्रह की मूर्ति किस प्रकार निर्धारित किया जाएगा?
ii) मई 31, 2013 को सुबह 7 बजकर 13 मिनट पर बृहस्पति ने मिथुन में प्रवेश किया। सभी 12 राशियों के लिए बृहस्पति की मूर्ति का निर्णय करें।
- इनमें से कौन फलादेश में अधिक सहायक होता है- दशा अथवा गोचर? विस्तार से बताएं यदि किसी एक अथवा दोनों पर निर्भर होना चाहिए।
- उत्तर बताएं :-
i) साढ़े सती से आप क्या समझते हैं? अपने विचार दीजिए।
ii) वेध और विमरीत वेध पर प्रकाश डालें।
- i) बृहस्पति व शनि का गोचर घटनाओं के समय निर्धारण किस प्रकार सहायक है। अन्य किन ग्रहों का गोचर समय की छोटी सीमा निर्धारण में सहायक है।
ii) सामान्यतः गोचर फल जन्म राशि से देखे जाते हैं। क्या कोई अन्य बिन्दु भी है जो गोचर फलादेश में सहायक है? वे कौन से हैं?
- निम्नलिखित समस्या पर गोचर फलादेश से क्या सहायता मिल सकती है:
i) विवाह ii) स्वास्थ्य iii) नौकरी